International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों का तुलनात्मक अध्ययन

शोधार्थिनी
कविता रानी
शिक्षा संकाय
मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तोडगढ, राजस्थान

पर्यवेक्षक
प्रो० शुभदा पाण्डेय
शिक्षा संकाय
मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तोडगढ, राजस्थान

प्रस्तावना

व्यक्तित्व मापन का प्रयास प्राचीन काल से किया जा रहा है। किन्तु उन प्रयासों को वैज्ञानिक और वस्तुनिष्ठ नही कहा जा सकता। उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में गॉल तथा स्परजीम ने मुखाकृति तथा खोपडी के उभारा के आधार पर व्यक्ति में सैंतीस शक्तियों की एक सूची दी जिसमें जीने की इच्छा से लेकर विनाश प्रवृत्ति तक कितनी ही प्रवृत्तियां सन्निहित थी। इटली के अपराध विशेषज्ञ लोम्ब्रोसो ने अपराधियों के चेहरे की कुछ विशेषताओं पर ध्यान आकृष्ट किया, जैसे– उनके जबडे चाडे और गाल उभरे हुए होते है, माथा छोटा, धंसा हुआ और कान बडे होते है। प्राचीन काल में व्यक्तित्व की विशेषताओं की विवेचना नक्षत्रशास्त्र व ज्योतिषशास्त्र के द्वारा भी की जाती थी। विभिन्न नक्षत्रों के प्रभाव तथा हस्त रेखाओं को देखकर उसकी व्यक्तित्व की विशेषताओं को बताया जाता था। पर वास्तव में यह सारी विधियां वैज्ञानिक नहीं है सन् 1880 में फ्रांसिस गाल्टन ने व्यक्तित्व मापन के लिए सर्वप्रथम प्रश्नावली विधि का प्रयोग किया। इस विधि का अत्यधिक प्रचार हुआ और उसको आधार बनाकर व्यक्तित्व परिसूचियों का निर्माण हाना प्रारम्भ हुआ। व्यक्तित्व मापन के लिए सबसे पहली परिसूची आर0एस0 वुडवर्थ ने 1918 में बनाई जिसका उद्देश्य सैनिकों की संवेगात्मक अस्थिरता का मापन करना था। तत्पश्चात उन्होने एक मनो स्नायुदौर्बल्य सूची का भी निर्माण किया। सन् 1930 में थर्स्टन ने भी मनो–स्नायुदौबल्यि के लिए एक परिसूची का निर्माण किया। 1926 में फ्रेड तथा हेड ब्रेडर ने एक ''अन्तर्मुखी–बहिर्मुखी परीक्षण'' की रचना की। 1928 में

ऑलपोर्ट ने ''प्रभावकता–अधीनता परीक्षण'' का निर्माण किया। 1931 में रोजर्स ने बच्चों के लिए समायोजन परिसूची बनाई। 1933 में बनरिटर ने 125 पदों की एक सूची बनाई जो व्यक्ति के छः पक्षो– आत्मनिर्भरता, अर्न्तमुखी–बहिर्मुखी प्रवृत्ति, मनोदौर्बल्य, प्रभुत्व–अधीनता, आत्मविश्वास–हीनता एवं सामाजिकता का मापन करती है। 1939 में थार्वे एवं क्लार्क ने केली फोर्निया व्यक्तित्व परीक्षण बनाया। क्रमशः 1940 एवं 1942 में Minnesota Multi- phasic personality inventory तथा minnesota personality scale बनाया गया। जिसके स्त्रियों और पुरूषों के लिए दो अलग–अलग प्रतिरूप है। 1949 स्वभाव मापन के लिए Guilford Zimmerman temperament survey तथा Thurston's Temperamental schedule की रचना की गई। 1950 में मेसलो ने सुरक्षा–असुरक्षा के शीलगुण मापन करने के लिए एक Security-Insecurity inventory का निर्माण किया। गार्डन ने 1953 में दो व्यक्तियों परिसूचियों Garden personality profile तथा Garden personality inventory का निर्माण किया। जिसमें व्यक्तित्व के आठ शील गुणों का मापन किया गया है। कैटिल का इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है। उसने विभिन्न शीलगुणों के मापन के लिए कई बहु–आयामी व्यक्तित्व सूचियों का निर्माण किया। जिनमें से अधिकांश विभिन्न श्रेणियों के छात्रों के लिए है। 1958 में युवकों के लिए परिसूची बनाई गई। व्यक्तित्व सिद्धान्त पर आधारित सर्वप्रथम परिसूची एडवर्ड ने Edward's personnel preference schedule बनाई। फिर अन्तर्मुखता–बहिम्र्ुखता के मापन के लिए 1965 में आइजिंक और माड्सले ने भी एक सूची निर्मित की।

शोध कार्य की आवश्यकता एवं महत्व

निर्देशन सेवाओं के प्रचार और प्रसार के साथ–साथ व्यक्तित्व मापन की आवश्यकता में निरन्तर वृद्धि होती जा रही है। समस्या चाहे शिक्षा, व्यवसाय, मानसिक स्वास्थ्य और अपराध किसी भी क्षेत्र की हो, उसके निदान और उपचार के लिए सर्वप्रथम व्यक्तित्व के विषय में पूर्ण जानकारी होना आवश्यक है। व्यक्तित्व की जानकारी से ही समस्या का

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उद्भव और विकास जाना जा सकता है। और फिर उसके निराकरण का उपाय किया जा सकता है। व्यक्तित्व मापन के लिए विभिन्न प्रविधियों का प्रयोग किया जाता है। जो दो दृष्टिकोणों पर आधारित है–अणुवादी दृष्टिकोण तथा सम्पूर्णवादी दृष्टिकोण। मापन किसी भी दृष्टिकोण से किया जाए पर हमें यही मानकर चलना पडेगा कि व्यक्तिव व्यक्ति के विभिन्न शीलगुणों का एक विशिष्ट संगठन है जो व्यवहारया इन गुणों द्वारा अपने को अभिव्यक्त करता है। अणुवादी दृष्टिकोण के अनुयायी इन गुणों का अलग–अलग मापन कर व्यक्तित्व की व्याख्या करते है। जबकि सम्पूर्णवादी दृष्टिकोण वाले उन प्रविधियों का प्रयोग करते है जिनसे सम्पूर्ण व्यक्तित्व की झलक मिलती है। क्योंकि उनके अनुसार व्यक्तित्व मात्र शीलगुणों का योग न होकर उनका एक विशिश्ट संकलन ह। किन्तु शीलगुणों में परिवेश के अनुसार परिवर्तन होता रहता है। जिससे व्यक्ति सदैव एक सा रहकर समय और स्थान के अनुरूप बदलता रहता है।

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के शिक्षकों के व्यक्तित्व के गुणों को जानने के लिय ही अनुसंधानकर्ता ने विभिन्न शोध कार्यो का अध्ययन कर यह निष्कर्ष निकाला की व्यक्तित्व के गुणों से सम्बन्धित बहुत ही कम शोध कार्य अभी तक हुआ है अतः शोधकर्ता द्वारा निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों का तुलनात्मक अध्ययन करने का निर्णय लिया गया ।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

सिंह, शर्मा, तरुना और शिखा (2014) ने छात्रों के व्यक्तित्व लक्षणों (विक्षिप्तता, बहिर्मुखता, अनुभव के लिए खुलापन, सहमतता और कर्तव्यनिष्ठा) और तनाव के स्तर के बीच अंतर–संबंध की जांच की। इस नमूने में हरियाणा के सिरसा जिले के विभिन्न स्कूलों के वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के 60 छात्र शामिल थे। वर्तमान अध्ययन के लिए डेटा एकत्र करने के लिए पुरी, कौर और मेहता द्वारा छम्ब–पांच फैक्टर इन्वेंटरी कोस्टा और मैक्क्रीया द्वारा और स्ट्रेस स्केल का उपयोग किया गया था। निष्कर्षों से तनाव और व्यक्तित्व लक्षणों के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता चला। विक्षिप्तता के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक सहसंबंध और सहमतता, बहिर्मुखता और कर्तव्यनिष्ठा के बीच महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध भी पाया गया।

यिलमाज (2014) ने प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यक्तित्व विशेषताओं और उनके बर्नआउट स्तरों के बीच संबंध को निर्धारित किया। नमूने में कुटह्या सिटी सेंटर के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 303 शिक्षक शामिल थे। पांच कारक वर्तमान अध्ययन के लिए डेटा एकत्र करने के लिए गोल्डबर्ग द्वारा व्यक्तित्व स्केल और मासलाच और जैक्सन द्वारा मासलाच बर्नआउट इन्वेंटरी का उपयोग किया गया था। परिणाम से पता चला कि प्रतिभागियों ने व्यक्तित्व विशेषताओं के संबंध में क्रमशः कर्तव्यनिष्ठा, सहमतता, और अनुभव के लिए खुलेपन, बहिर्मुखता और भावनात्मक स्थिरता आयामों में उच्चतम भागीदारी का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों की भावनात्मक थकावट का स्तर मध्यम स्तर पर था, जबकि कम व्यक्तिगत उपलब्धि और प्रतिरूपण स्तर कम थे। शिक्षकों की व्यक्तिगत विशेषताओं और बर्नआउट स्तरों के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण मध्य से निम्न स्तर का नकारात्मक सहसंबंध पाया गया। इस प्रकार, यह विश्लेषण किया गया कि व्यक्तिगत विशेषताओं के बारे में शिक्षकों के सकारात्मक विचारों में वृद्धि, उनके जलने के स्तर में कमी आई है।

बोगुनोवी (2018) ने एक संगीत वाद्ययंत्र शिक्षक के व्यक्तित्व का वर्णन किया, गैर–संगीतकारों के समूह की तुलना में मतभेदों को निर्धारित किया, और सामान्य और पेशेवर शिक्षक प्रोफाइल की संरचना में व्यक्तिगत विशेषताओं की स्थिति निर्धारित की। नमूने में 60 व्यक्ति शामिल थे, जो पांच प्राथमिक संगीत विद्यालयों में विभिन्न संगीत वाद्ययंत्रों को पढ़ाते थे। डेटा एकत्र करने के लिए नमूने पर प्रशासित किया गया था। निष्कर्षों से पता चला कि संगीत शिक्षकों ने उच्च स्तर के खुलेपन, सहमतता और कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन किया।

अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आयोजित किया गया था:

1. निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

2. निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत महिला वर्ग की शिक्षिकाओं के व्यक्तित्व के गुणों का तुलनात्मक अध्ययन करना ।

अध्ययन की परिकल्पना

अध्ययन की परिकल्पनाएँ निम्नलिखित थीं:

1. निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों में कोई भी सार्थक अंतर नही है ।
2. निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत महिला वर्ग की शिक्षिकाओं के व्यक्तित्व के गुणों में कोई भी सार्थक अंतर नही है ।

अध्ययन का परिसीमन

अध्ययन को निम्नानुसार सीमित किया गया था:

1. यह अध्ययन केवल निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षकों तक सीमित था।
2. यह अध्ययन केवल निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत शिक्षकों तक सीमित था।
3. यह अध्ययन निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत केवल 100 शिक्षकों तक सीमित था।
4. यह अध्ययन केवल चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत शिक्षकों तक सीमित था।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन के लिए शोध की वर्णनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। यह विधि मौजूदा घटना या मुद्दे, स्थितियों और संबंधों के सर्वेक्षण, वर्णन और जांच से संबंधित है।

समष्टि

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

एक शोध परियोजना में, शोधकर्ता आमतौर पर एक अप्रबंधनीय आबादी में आते हैं। जनसंख्या से तात्पर्य उन सभी मामलों से है जिनकी जाँच की जा रही है या वे सभी लोग या वस्तुएँ जिनकी विशेषता कोई व्यक्ति समझना चाहता है। चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से सम्बद्धता प्राप्त सभी शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत शिक्षक इस शोध कार्य में समष्टि है ।

न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि

वर्तमान शोध कार्य के लिय चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से सम्बद्धता प्राप्त बागपत जिले के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में से यादृच्छिक नमूना चयन तकनीक के लॉटरी विधि द्वारा 10 संस्थानों का चयन किया गया । इस प्रकार उपरोक्त 10 संस्थानों में से प्रत्येक संस्थान से 10 शिक्षको का यादृच्छिक नमूना चयन तकनीक से चयन किया गया अतः इस शोध कार्य हेतु कुल 100 शिक्षको का नमूना लिया गया ।

उपकरण का प्रयोग

डेटा के संग्रह के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया को अपनाना काफी आवश्यक है। प्रत्येक प्रकार के अनुसंधान के लिए नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए कुछ उपकरणों की आवश्यकता होती है।एक सफल शोध के लिए उचित उपकरणों का चयन बहुत महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया गया है:

1. **आयामी व्यक्तित्व सूची (डॉ महेश भार्गव)**

आंकड़ो का विश्लेष्ण एवं व्याख्या

1 पहली शून्य परिकल्पना, निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों में कोई भी सार्थक अंतर नही है ।

तालिका–1

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों का मध्यमान, मानक विचलन व टी' मान

शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत शिक्षक	शिक्षको की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी' मान (डी० एफ० = 98)
निजी संस्थानों के पुरुष वर्ग के शिक्षक	50	96.79	4.60	***0.310** (सार्थक नही)
सहायता प्राप्त संस्थानों के पुरुष वर्ग के शिक्षक	50	97.08	4.74	

तालिका मान = 0.05 सार्थकता स्तर पर– 1.97
तालिका मान = 0.01 सार्थकता स्तर पर– 2.60
सार्थक नही है

तालिका–1 प्रदर्शित करती है की शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत निजी संस्थानों के पुरुष वर्ग के शिक्षको का मध्यमान 97.79 तथा मानक विचलन 4.60 व शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत सहायता प्राप्त संस्थानों के पुरुष वर्ग के शिक्षको का मध्यमान 97.08 तथा मानक विचलन 4.74 है। उपरोक्त दोनों ग्रुप के 'टी' परिक्षण का मान 0.310 है जोकि किसी भी सार्थकता स्तर पर सार्थक नही पाया गया है । अतः निजी संस्थानों के पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों व सहायता प्राप्त संस्थानों के पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणा में कोई सार्थक अन्तर नही है।

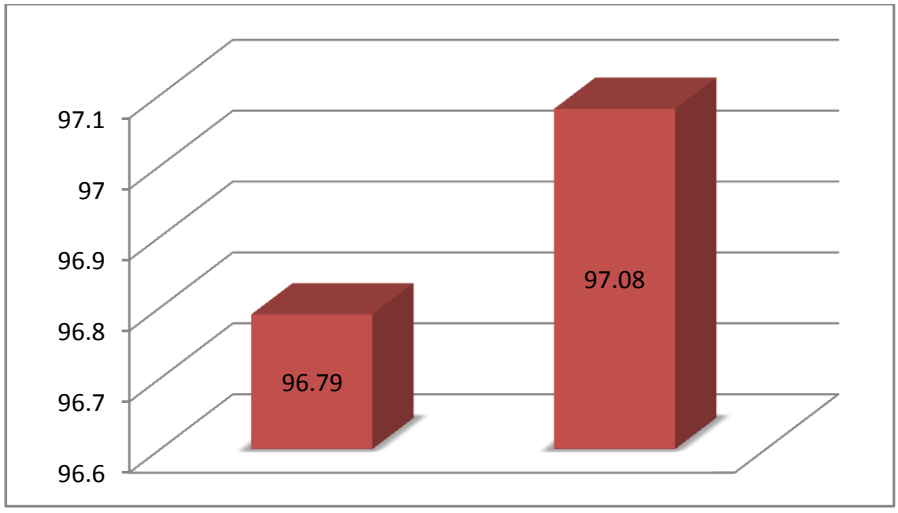

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

चित्र–1 निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों का मध्यमान प्रदर्शित करता है।

2. दूसरी शून्य परिकल्पना, निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत महिला वर्ग की शिक्षिकाओं के व्यक्तित्व के गुणों में कोई भी सार्थक अंतर नही है।

तालिका–2

निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत महिला वर्ग की शिक्षिकाओं के व्यक्तित्व के गुणों का मध्यमान, मानक विचलन व 'टो' मान

शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत शिक्षक	शिक्षको की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	'टी' मान (डी० एफ० =98)
निजी संस्थानों की महिला वर्ग की शिक्षिका	50	97.94	4.51	0.266 (सार्थक नही)
सहायता प्राप्त संस्थानों की महिला वर्ग की शिक्षिका	50	98.18	4.49	

तालिका मान = 0.05 सार्थकता स्तर पर– 1.97
तालिका मान = 0.01 सार्थकता स्तर पर– 2.60
सार्थक नही है

तालिका–2 प्रदर्शित करती है की शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत निजी संस्थानों की महिला वर्ग की शिक्षिकाओं का मध्यमान 97.94 तथा मानक विचलन 4.51 व शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत सहायता प्राप्त संस्थानों की महिला वर्ग की शिक्षिकाओं का मध्यमान 98.18 तथा मानक विचलन 4.49 है। उपरोक्त दोनों ग्रुप के 'टी' परिक्षण का मान 0.266 है जोकि किसी भी सार्थकता स्तर पर सार्थक नही पाया गया है। अतः निजी

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

संस्थानों की महिला वर्ग की शिक्षिकाओ के व्यक्तित्व के गुणों व सहायता प्राप्त संस्थानों की महिला वर्ग की शिक्षिकाओ के व्यक्तित्व के गुणो में कोई सार्थक अंतर नही ळे

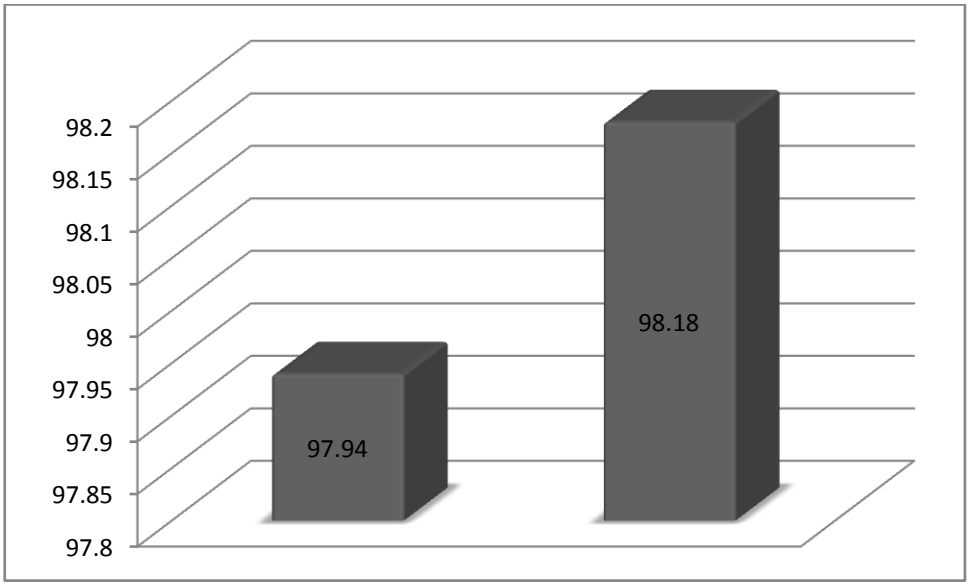

चित्र–2 निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत महिला वर्ग की शिक्षिकाओं के व्यक्तित्व के गुणों का मध्यमान प्रदर्शित करता है।

मुख्य परिणाम

विश्लेषण और परिणामों की व्याख्या के बल पर, अन्वेषक मुख्य निष्कर्ष निकालने की स्थिति में है। यह अध्याय मुख्य परिणाम, सारांश की चर्चा, शैक्षिक निहितार्थ और आगे के शोध के लिए सुझावों से संबंधित है जो उसी क्रम में प्रस्तुत किए गए हैं।

1. पहली शून्य परिकल्पना, निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत पुरुष वर्ग के शिक्षको के व्यक्तित्व के गुणों में कोई भी सार्थक अंतर नही है, स्वीकार हो गयी है ।
2. दूसरी शून्य परिकल्पना, निजी एवं सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों में कार्यरत महिला वर्ग की शिक्षिकाओं के व्यक्तित्व के गुणों में कोई भी सार्थक अंतर नही है, स्वीकार हो गयी है ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शैक्षिक निहितार्थ

शोध कार्यो की शैक्षिक उपयोगिता इस पर निर्भर करती है कि शोध कार्यो के परिणामों का शिक्षा में क्या उपयोग हो सकता है क्योंकि अतं मे शोधकार्य तभी सार्थक माने जाते है जब इन परिणामों का शिक्षा में क्रान्तिकारी उपयोग हो सके इस शोध कार्य के उपयोग को हम निम्न प्रकार से स्पष्ट कर सकते है।

- शिक्षकों के बीच काम के वितरण के संबंध में शिक्षकों के निर्णयों और निर्देशा का पालन करके शक्तिहीनता तनाव को नियंत्रित किया जा सकता हैय और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में शिक्षक के सुझावों को उचित महत्व देकर और महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियाँ करना। अन्य शिक्षकों के कामकाज और परिणाम और स्कूल की प्रगति के बारे में शिक्षकों को जिम्मेदारियां सौंपकर व्यक्तियों के तनाव के लिए जिम्मेदारी को नियंत्रित किया जा सकता है।
- प्रशासनिक या शैक्षिक समस्या समाधान प्रक्रियाओं में शिक्षकों के सहयोग की मांग करकेय और नीति बनाने या कार्य प्रणाली को संशोधित करने के संबंध में शिक्षकों के सुझाव मांगकर। शिक्षकों के बीच काम के वितरण के संबंध में शिक्षकों के निर्णयों और निर्देशों का पालन करके शक्तिहीनता तनाव को नियंत्रित किया जा सकता हैय और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में शिक्षक के सुझावों को उचित महत्व देकर और महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियाँ करना।
- अन्य शिक्षकों के कामकाज और परिणाम और स्कूल की प्रगति के बारे में शिक्षकों को जिम्मेदारियां सौंपकर व्यक्तियों के तनाव के लिए जिम्मेदारी को नियंत्रित किया जा सकता है।
- शिक्षकों के बीच काम के वितरण के संबंध में शिक्षकों के निर्णयों और निर्देशों का पालन करके शक्तिहीनता तनाव को नियंत्रित किया जा सकता हैय और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में शिक्षक के सुझावों को उचित महत्व देकर और महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियाँ करना।

- सहायता प्राप्त संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागों के शिक्षकों के सैद्धान्तिक, सामाजिक तथा धार्मिक मूल्य निजी संस्थानों के शिक्षक प्रशिक्षण विभागो में कार्यरत शिक्षकों के मूल्य से अधिक मात्रा में पाये जाते है।
- शिक्षा के द्वारा यह कर्तव्य बनता है कि हम शिक्षा के इस प्रकार के कार्यक्रम को पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं में आयोजित करें जिनके द्वारा ऐसे छात्र छात्राएं जो प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है उनके अन्तर्गत भी इन मूल्यों का पर्यप्त मात्रा में समावेश हो सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचि

अहसान, एन., अब्दुल्ला, जेड., फी, डीवाईजी, और आलम, एसएस (2009)। मलेशिया में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के बीच नौकरी की संतुष्टि पर नौकरी के तनाव का एक अध्ययन: अनुभवजन्य अध्ययन। यूरोपियन जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 8(1), 121-131.

आफताब, एम., और खातून, टी. (2015)। माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के जनसांख्यिकीय अंतर और व्यावसायिक तनाव। यूरोपीय वैज्ञानिक जर्नल, 8(5), 159-175। 11 मार्च 2015 को से लिया गयाhttp://eujournal.org/files/journals/ 1/लेख/90/सार्वजनिक/90-278-1-पीबी.पीडीएफ

आरिफ, एमआई, राशिद, ए., ताहिरा, एसएस, और अख्तर, एम. (2012)। व्यक्तित्व और शिक्षण : भावी शिक्षकों के व्यक्तित्व की जांच। मानविकी और सामाजिक विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल , 2(17), 161-171।

इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड मेंटल हेल्थ, 8(1), 92-98.

इम्हानलाहिमी, ईओ, और एगुएल, एलआई (2006)। ईदो राज्य, नाइजीरिया में निर्देशात्मक प्रक्रिया में जीव विज्ञान शिक्षकों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए तीन उपकरणों की तुलना करना। जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 13(1), 67-70.

इवांस, ईडी (1976)। शिक्षण का संक्रमण। न्यूयॉर्क: होल्ट, राइनहार्ट और विंस्टन।

ईआई-सईद, एसएच, ईआई-ज़ीनी, एचएच, और एडेयमो, डीए (2014)। नर्सिंग ज़ागाज़िग विश्वविद्यालय, मिस्र के संकाय सदस्यों के बीच व्यावसायिक तनाव, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आत्म-प्रभावकारिता के बीच संबंध। जर्नल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन एंड प्रैक्टिस, 4(4), 183-194।

ईटी (1999)। जॉब स्ट्रेस एक बढ़ता खतरा। 22 फरवरी, 2012 को से लिया गयाhttp://money.cnn.com/1999/01/06/life/q_stress/

उपाध्याय, बीके, और सिंह, बी (2001)। कॉलेज और स्कूल के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव। साइको लिंगुइया, 31(1), 49-52.

एंटोनियो, एएस, पॉलीक्रोनी, एफ।, और कोट्रोनी , सी। (2009)। ग्रीस में विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं वाले छात्रों के साथ कार्य करना : शिक्षकों के तनाव और मुकाबला करने की रणनीतियाँ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पेशल एजुकेशन, 24(1), 100-111.

एंटोनियो, एएस, पॉलीक्रोनी, एफ।, और ब्लाचकिस, एएन (2006)। ग्रीस में प्राथमिक और उच्च विद्यालय के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव और पेशेवर बर्नआउट में लिंग और उम्र के अंतर। जर्नल ऑफ मैनेजरियल साइकोलॉजी, 21(7), 682-690।

एंटोनियो, एएस, प्लौम्पी, ए।, और नताल्ला, एम। (2013)। प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के शिक्षकों में व्यावसायिक तनाव और पेशेवर बर्नआउट: रणनीतियों का मुकाबला करने की भूमिका। मनोविज्ञान, 4 (3ए), 349-355।

पैट्रिक, हा (2015)। प्रबंधन शिक्षकों की नौकरी से संतुष्टि के संबंध में व्यक्तित्व लक्षण। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च। 22 मार्च 2015 को पुनःप्राप्तरोम http://www.ipublishing.co.in/ajmrvol1no1/EIJMRS1020.pdf

सिंह, डी., शर्मा, आर., तरुना, और शिखा। (2014)। छात्रों के बीच तनाव के भविष्यवक्ता : व्यक्तित्व लक्षणों की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एंड मेंटल हेल्थ, 8(1), 23-31.